मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया के आर्किटेक्चर विभाग, फैकल्टी ऑफ़ आर्किटेक्चर एंड एकिस्टिक्स ने *भारत पर्व 2026* में भाग लिया

फैकल्टी ऑफ़ आर्किटेक्चर एंड एकिस्टिक्स के आर्किटेक्चर विभाग ने भारत के 77वें गणतंत्र दिवस 2026 के अवसर पर, लाल किले, नई दिल्ली में 26 जनवरी, 2026 से शुरू होने वाले ऐतिहासिक *भारत पर्व 2026* समारोह के दौरान काउंसिल ऑफ़ आर्किटेक्चर (CoA) द्वारा आयोजित प्रदर्शनी में भाग लेकर जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) का प्रतिनिधित्व किया।

इस साल बी.आर्क. चौथे वर्ष के छात्रों द्वारा बनाए गए बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन और स्ट्रक्चर के मॉडल प्रदर्शित किये गए। साथ ही, वर्तमान बी.आर्क. तीसरे वर्ष के छात्रों द्वारा किए गए भीमाकाली मंदिर के डॉक्यूमेंटेशन का काम भी प्रदर्शित किया गया, जिसमें भारतीय ज्ञान प्रणाली और भारतीय मंदिर वास्तुकला को दिखाया गया था।

इस काम का विषय भारत की समृद्ध वास्तुकला विरासत के अनुरूप है और राष्ट्र की सांस्कृतिक पहचान, निर्मित पर्यावरण और स्थायी भविष्य को आकार देने में वास्तुकला की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है।

इस प्रदर्शनी को व्यापक सराहना मिल रही है और यह CoA प्रदर्शनी स्थल पर आगंतुकों को आकर्षित कर रही है। यह वास्तुकला को सार्वजनिक क्षेत्र तक पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन रहा है और समाज के सभी वर्गों से नई प्रतिभाओं को इस क्षेत्र में आकर्षित करेगा।

काउंसिल ने भारत पर्व 2025 के दौरान "सृजन" प्रदर्शनी का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसे आगंतुकों, पेशेवरों और हितधारकों से जबरदस्त और उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली थी। इस सफल अनुभव के आधार पर और सार्वजनिक पहुंच और वास्तुकला उत्कृष्टता के बारे में जागरूकता के प्रति काउंसिल के निरंतर प्रयासों को जारी रखते हुए, काउंसिल ने भारत पर्व 2026 के दौरान समृद्ध सामग्री, व्यापक प्रतिनिधित्व और बढ़ी हुई सार्वजनिक भागीदारी के साथ फिर से "सृजन, 2.0" प्रदर्शनी का आयोजन किया। आर्किटेक्चर विभाग ने पिछले साल भी जेएमआई का प्रतिनिधित्व किया था।

आर्किटेक्चर विभाग समाज के सतत विकास और सभी के लिए बेहतर भविष्य के लिए एकीकृत शिक्षा की एक धर्मनिरपेक्ष और आधुनिक प्रणाली प्रदान करने के जामिया मिल्लिया इस्लामिया के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहा है।

प्रोफेसर साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी